सूचना:- आप सबको ज्ञात हो कि बापदादा के अति लाडले, सदा उमंग-उत्साह से यज्ञ की हर सेवा में हाँ जी करने वाले सर्व के स्नेही ''चीनू भाई'', जो कि 1976 से समर्पित रूप में पाण्डव भवन के विभिन्न डिपार्टमेंट में अपनी सेवायें देते रहे। आपने 1969 में बड़ौदा से ज्ञान प्राप्त किया। उसके बाद अहमदाबाद पालड़ी सेवाकेन्द्र पर अपनी सेवायें दी। मधुबन में जब आये तो आपको म्यूजियम में सेवा मिली, उसके बाद रात के पहरे पर सेवायें दी। वर्तमान समय आप मधुबन की लाइब्रेरी में बहुत प्यार से अपनी सेवायें दे रहे थे। आपकी आयु 75 वर्ष थी। 8-10 दिन पहले आपको हार्ट की तकलीफ हुई और अहमदाबाद में एन्जियोप्लास्टिक की गई। लेकिन वहाँ हॉस्पिटल में ही वह आत्मा 23 जनवरी 2015 को रात्रि 11 बजे अपना पुराना शरीर छोड़ बापदादा की गोद में चली गई। आज 24 तारीख को, लौकिक अलौकिक परिवार की उपस्थिति में स्नेह सुमन अर्पित करके उनके पार्थिव शरीर को मधुबन के चारों धामों की यात्रा कराते अन्तिम विदाई दी गई।